

अलवर में तस्करों ने रस्से से बंधी छह गौवंश को चलती पिकअप गाड़ी से फेंका

गौरक्षकों ने पिकअप पंक्चर की, गौतस्कर 17 किमी तक रिम पर गाड़ी दौड़ाते रहे और फरार हो गये

अलवर, (निर्स)। अलवर में तस्करों ने तेज रफ्तार में दौड़ रही पिकअप से 6 गौवंश को सड़क पर फेंक दिया। गौवंश के पैर व मुंह रस्से से बंधे थे। रोड पर बदहाल मिली गायों की हालत देखी नहीं गई। यह घटना खेड़ली में रविवार रात करीब 12 बजे हुई। गौतस्करों का पीछा किया तो उन्होंने बचने के लिए चलती पिकअप से गौवंश रोड पर फेंक दिए। इससे गायों के पैर, मुंह, पीठ सहित पूरा शरीर घाव में तब्दील हो गया। गौरक्षकों ने अलाव लगाकर रातभर गौवंश की सेवा की। सुबह इलाज के लिए भेजा। तस्कर पहाड़ी पर चढ़कर फरार हो गए।

■ **गौवंश के पैर व मुंह रस्से से बंधे थे, रोड पर बदहाल मिली गौवंश की हालत देखी नहीं गई**

अलवर के गौरक्षकों ने लक्ष्मणगढ़ के धोलागढ़ में रोड पर कांटा लगाकर पिकअप को पंक्चर किया। टायर पंक्चर के बाद भी तस्करों ने पिकअप नहीं रोकी। गौरक्षकों ने गायों को खोला। इसके बाद आसपास अलाव लगाई, ताकि गायों को दर्द से राहत

मिले। पूरी रात गाय दर्द में परेशानी रही। सुबह उन्हें अस्पताल भेजा गया। गौरक्षक सागर तिवारी ने बताया कि रविवार रात करीब साढ़े 11 बजे सूचना मिली कि खेड़ली से गौवंश को उठाकर पिकअप में भरा गया है। गौतस्करों का पीछा करने टीम निकली। गौवंश को खेड़ली में जीएस स्कूल के आसपास से गाड़ी में भरा था। उनके हाथ-पैर व मुंह बांधे हुए थे। गौरक्षकों ने लक्ष्मणगढ़ के धोलागढ़ में रोड पर कांटा लगाकर पिकअप को पंक्चर किया। टायर पंक्चर हो गया, इसके बाद भी तस्करों ने पिकअप नहीं रोकी। वे पिकअप को

लौली गांव की तरफ से ले गए।

सागर ने बताया कि पिकअप का पूरा टायर जल गया और गाड़ी रिम पर चल रही थी। यह देख तस्कर चलती पिकअप से रस्सों से बंधी गायों को धक्के देकर नीचे फेंकते गए। इससे गौवंश की बुरी हालत हो गई। बाद में तस्कर मकरोटा की पहाड़ी तक चढ़ गए। वहां पिकअप को खड़ी कर भाग गए। करीब 17 किलोमीटर तक तस्करों ने पिकअप को रिम पर दौड़ाया। इससे बड़ा एक्सीडेंट होने का डर भी रहा। पिकअप में पांच तस्कर थे। बाद में गौरक्षकों ने गायों को खोला। इसके बाद आसपास

अलाव लगाई, ताकि गायों को दर्द से राहत मिले। पूरी रात गौवंश दर्द में परेशानी रही। सुबह उन्हें अस्पताल भेजा गया।

गौरक्षक टीम में सागर तिवारी, सोनू बाबू, चंदू मीणा, हेमंत सैनी व सत्री सहित धोलागढ़ की टीम शामिल रही। गौरक्षकों ने कहा कि एक दिन पहले भी खेड़ली में गौवंश पकड़ा था। तस्कर कांच की बोतल व पत्थर लेकर चलते हैं। बोतल फेंकते हैं, इसलिए बचाव करना मुश्किल हो जाता है। फिर भी जान जोखिम में डालकर गायों की सेवा करने का प्रयास करते हैं।

श्रीगंगानगर : रेल अंडरब्रिज निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने ट्रेन रोकी

श्रीगंगानगर, (निर्स)। यहां रेल अंडर ब्रिज निर्माण की मांग को लेकर सोमवार सुबह ग्रामीणों ने पैसेंजर ट्रेन को रोक दिया और ट्रैक पर बैठ गए। ग्रामीण मांग करने लगे कि जब तक आरयूबी नहीं बनेगा वे ट्रैक पर ही बैठे रहेंगे। इसी मांग को लेकर सूरतगढ़ के लोग सुबह दस बजे मोहननगर रेलवे स्टेशन के पास बने ट्रैक पर पहुंचे और श्रीगंगानगर-सूरतगढ़ ट्रेन को रोक दिया गया। इस दौरान ट्रेन करीब 25 मिनट तक रुकी रही। सोमवार सुबह ग्रामीण अचानक ट्रैक पर पहुंच गए थे। ऐसे में यात्रियों को काफी परेशानी भी हुई। गांव के बुजुर्ग भी ग्रामीणों के साथ पहुंचे थे। इनका कहना था कि आरयूबी निर्माण नहीं हो जाता तब तक वे हटेंगे नहीं।

- ग्रामीणों की मांग है कि जब तक आरयूबी नहीं बनेगा वे ट्रैक पर ही बैठे रहेंगे**
- मोहन नगर में आरयूबी की मांग को लेकर पिछले 15 साल से ग्रामीण विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं**

संघर्ष समिति एकता मंच, मोहन नगर के प्रधान सरदार दर्शन सिंह ने बताया कि मोहन नगर में आरयूबी की मांग को लेकर पिछले 15 साल से ग्रामीण विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। सोमवार सुबह श्रीगंगानगर से सूरतगढ़ जा रही ट्रेन को आक्रोशित ग्रामीणों ने रोक दिया। इससे पहले करीब 1 घण्टा तक 300 ग्रामीण रेलवे ट्रैक पर घरने पर बैठे थे। मोहन नगर ट्रेन पहुंचते ही रोक ली गई जिसके बाद ट्रेन में बैठे

ट्रेनों के बीच पटरी पार करने को मजबूर हैं। कई बार हादसे हो चुके हैं, लेकिन रेलवे प्रशासन आरओबी बनाने में कोई रुचि नहीं दिखा रहा। लंबे समय से लिखित शिकायतें और ज्ञापन दिए जा चुके हैं, पर कोई सुनवाई नहीं हुई। इससे आक्रोशित सुबह गंगानगर-सूरतगढ़ पैसेंजर ट्रेन पहुंचते ही ग्रामीणों ने इंजन के आगे ट्रैक पर धरना दे दिया और नारेबाजी करने लगे। ग्रामीणों ने कहा कि जब तक आरओबी नहीं बनवाएंगे, तब तक ट्रेन नहीं चलेगी। ट्रेन में सैकड़ों यात्री फंसे रहे, कई ने परेशानी में उतरकर पैदल जाने की कोशिश की। रेलवे के स्थानीय अधिकारी और स्ट्राफ घटनास्थल पर पहुंचे। ग्रामीणों को मनाने और बातचीत का प्रयास किया।

ग्रामीणों का कहना है कि मोहननगर और आस-पास के गांवों के लोग रोजाना इस रेलवे क्रॉसिंग से गुजरते हैं। स्कूल-कॉलेज जाने वाले बच्चे, किसान, महिलाएं और बुजुर्ग तेज रफ्तार

कोटा में अवैध ट्रामाडोल कैप्सूल बरामद, एक गिरफ्तार



केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने ट्रामाडोल कैप्सूल बरामद किए।

कोटा, (निर्स)। मादक पदार्थ विरोधी अभियान जारी रखते हुए केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) कोटा, भवानीमंडी और जयपुर के अधिकारियों की एक संयुक्त टीम ने मुखबिर की सूचना पर जयपुर-कोटपुतली हाइवे पर कार्रवाई करते हुए स्कूटी पर सवार एक व्यक्ति को रोका, टीम ने व्यक्ति के पास से 23976 अवैध ट्रामाडोल कैप्सूल बरामद किए गए। उक्त कार्रवाई केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल के निदेशन में की गई।

उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति स्कूटी से अवैध साइकोट्रॉपिक पदार्थ लेकर जा रहा है। उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि

उक्त सूचना पर सीबीएन कोटा, भवानीमंडी और जयपुर की एक संयुक्त टीम गठित की गई और टीम को संदिग्ध मार्ग पर निगरानी हेतु रवाना किया गया। गठित टीम ने कड़ी निगरानी के दौरान संदिग्ध स्कूटी की पहचान करने के बाद उसे जयपुर- कोटपुतली हाइवे पर रोका। टीम ने तलाशी के दौरान स्कूटी पर सवार व्यक्ति के पास मौजूद एक कार्टून बॉक्स की तलाशी लेने पर 23976 ट्रामाडोल कैप्सूल बरामद किया। टीम ने मौके पर कानूनी औपचारिकाताएं पूरी करने के बाद बरामद अवैध ट्रामाडोल कैप्सूल एवं स्कूटी को जब्त कर लिया गया तथा टीम ने एनडीपीएस एक्ट में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

सवाई माधोपुर शहर के 2 6 3वें स्थापना दिवस पर शोभायात्रा निकाली

सवाई माधोपुर, (निर्स)। वर्ष 1763 में 19 जनवरी को सवाई माधोसिंह प्रथम द्वारा स्थापित सवाई माधोपुर शहर के 263वें स्थापना दिवस के अवसर पर सोमवार को शहर में शोभायात्रा निकाली गई। कृषि, उद्योगिकी, ग्रामीण विकास एवं आपदा प्रबन्धन मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने इस यात्रा को नेतृत्व किया। शनिवार को शुरू हुये स्थापना दिवस समारोह के आयोजनों की श्रृंखला में यह सर्वाधिक लोकप्रिय कार्यक्रम रहा, जिसमें शहर की आम औरतों ने बड़-चढ़कर भागीदारी की। शोभायात्रा पुराने शहर के भैरू दरवाजे से प्रारम्भ होकर मुख्य बाजार होते हुए राजबाग मैदान पर सम्पन्न हुई। विनेत्र गणेश भावाना तथा बाघों की नगरी के नाम से मशहूर सवाई माधोपुर शहर की रंग-बिरंगी सांस्कृतिक छटा बिखरेले लोक कलाकार, कलश धारण कर मंगल गीत गाती महिलाएं, बैण्डवादन के बीच विद्यार्थी, कच्ची-घोड़ी, बहुरूपिया नृत्य आदि प्रस्तुत करते कलाकारों ने शहर के बाजार से गुजरते हुए लोगों का मनमोह लिया।

पुष्पवर्षा से शोभायात्रा का स्वागत :-ऊंट और घोड़े की सवारी भी शोभायात्रा का हिस्सा बनी। शहर के व्यापार मण्डलों, महिला संगठनों एवं आमजन ने विभिन्न चौराहों एवं छतों से



सवाई माधोपुर के संस्थापक सवाई माधोसिंह प्रथम की प्रतिमा पर मंत्री डॉ. मीणा ने माल्यार्पण किया।

पुष्प और रंगीन कागजों की वर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। इस दौरान बाजार में जगह-जगह पर जयकारे से गुंजते रहे। डॉ. मीणा ने इससे पूर्व सवाई माधोपुर के संस्थापक सवाई माधोसिंह प्रथम की नगर परिषद परिसर स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। अतिरिक्त जिला कलैक्टर संजय शर्मा, नगर परिषद के पूर्व सभापति एवं उपसभापति सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों ने भी

शोभायात्रा में भाग लिया।

विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास :-कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने सोमवार को खण्डार तिराहे से रामद्वारा तक बाइपास निर्माण कार्य का लोकार्पण किया। इस कार्य की लागत लगभग 15 करोड़ 70 लाख रुपये से अधिक है। डॉ. मीणा ने कोतवाली से भैरू दरवाजे तक लटिया नाले की सुरक्षा दीवार और सीसी सड़क के कार्य का

शिलान्यास भी किया। इस कार्य की लागत 43 करोड़ रुपये से अधिक है। इसमें हम्मीर सकिल का सौन्दर्यकरण, सार्वजनिक पार्क एवं वॉकिंग ट्रैक का निर्माण भी कराया जाएगा। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलैक्टर संजय शर्मा, एसडीएम गौरव मिल, आयुक्त नगर परिषद देवेन्द्र जिन्दल, पूर्व सभापति और उपसभापति सहित कई पार्षद एवं जनप्रतिनिधि तथा आमजन उपस्थित थे।

“अमररूढ महोत्सव” का समापन

जयपुर/सवाई माधोपुर। कृषि, उद्यानिकी, ग्रामीण विकास एवं आपदा प्रबन्धन मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि सवाई माधोपुर में स्थापित फूल उत्कृष्टता केन्द्र की तंत्र पर जिले में अमररूढ उत्कृष्टता केन्द्र भी संचालित किया जाएगा। क्षेत्र के किसानों को जैविक विधि से खेती करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जैविक बीज प्रमाणीकरण की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा सोमवार को जिला मुख्यालय पर देश में पहली बार आयोजित “अमररूढ महोत्सव” के औपचारिक समापन कार्यक्रम में मेले के प्रतिभागी किसानों, कृषि उद्यमियों, फल-फूल विशेषज्ञों और कृषि वैज्ञानिकों आदि को सम्बोधित कर रहे थे।

डॉ. मीणा ने कहा कि सवाई माधोपुर के किसानों को यह जानकारी व्यवहारिक रूप से समझाने के लिए “अमररूढ महोत्सव” का आयोजन किया गया है। समापन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जिला कलैक्टर काठना राम ने कहा कि यह महोत्सव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लैब को लैन्ड से जोड़ने के संकल्प को पूरा करने की दिशा में आयोजित किया गया। डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने महोत्सव में विभिन्न प्रतियोगिताओं में शामिल प्रतिभागियों को पुरस्कार, स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

नागौर में “श्री रामदेव पशु मेला” का विधिवत शुभारंभ

नागौर, (निर्स)। जिला मुख्यालय पर मानासर के पास पशु मेला मैदान में हर वर्ष आयोजित होने वाले श्री रामदेव पशु मेले का शुभारंभ सोमवार को किया

■ **नागौर पशु मेले की पहचान दूर-दराज तक है: जिला कलैक्टर अरुण कुमार पुरोहित**



कलैक्टर अरुण कुमार पुरोहित ने कार्यक्रम को संबोधित किया।

प्रकार अन्य राज्यों का रिश्ता भी हमारा नागौर पशु मेले से बना हुआ है। मेले की महत्त्वाता आज भी बरकरार है। कलैक्टर पुरोहित ने कहा कि नागौरी बैल खेती के साथ अन्य राज्यों में नस्ल सुधार व नस्ल बढ़ाने के लिए भी काम आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि चाहे डेयरी उत्पाद बनाने हो या बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक दूध की जरूरत हो, वह पशुओं के माध्यम से ही पूरी हो पाती है। मेले में कुछ कुछ समस्याएं जरूर आई हैं, इसके लिए पिछली बार भी काफी प्रयास किए गए थे और इस बार भी समय रहते सरकार को अवगत कराया गया है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छवा ने कहा कि पशु मेला सामाजिक सोहार्द व सामाजिक एकरूपता का परिचायक है। यहां हर प्रदेश से, हर कोने से, हर धर्म व हर जाति व समाज के लोग आते हैं। जो मेले में व्यापार करते हैं, रिश्ते

इससे पूर्व पदमश्री अबाड़ी हिम्मताराम भाबू ने कहा कि हर घर में गाय पालने की आवश्यकता है। उन्होंने गाय के दूध, गोबर, मूत्र आदि की महत्ता भी बताई। इस अवसर पर किसान व समाजसेवी प्रेमसुख जाजड़ा, पूर्व प्रधान ओमप्रकाश सेन, जिला परिषद सीईओ अरविंद जाखड़, सीओ पुलिस जतिन जैन, प्रोबेशनर आईपीएस डॉ. आदिति उपाध्याय सहित विभागिय अधिकारी व गणमान्य नागरिक एवं पशुपालक मौजूद रहे।

निभाते हैं और नागौर की पहचान लेकर लौट जाते हैं। उन्होंने कहा कि इस मेले का स्टैंड नागौरी बैल है, उसके बारे में जितना कहा जाए उतना कम है। उन्होंने बताया कि लोगों का आजकल मोबाइल पर स्क्रीन से जुड़ाव ज्यादा हो गया है व्यक्तिगत जुड़ाव कम है, ऐसे में मेले ही एक ऐसा अवसर है जिसमें सभी एक स्थान पर मिलते हैं, अपने दुख दर्द बांटते हैं और यहां से कुछ नया सीखकर जाते हैं।

इससे पूर्व पदमश्री अबाड़ी हिम्मताराम भाबू ने कहा कि हर घर में गाय पालने की आवश्यकता है। उन्होंने गाय के दूध, गोबर, मूत्र आदि की महत्ता भी बताई। इस अवसर पर किसान व समाजसेवी प्रेमसुख जाजड़ा, पूर्व प्रधान ओमप्रकाश सेन, जिला परिषद सीईओ अरविंद जाखड़, सीओ पुलिस जतिन जैन, प्रोबेशनर आईपीएस डॉ. आदिति उपाध्याय सहित विभागिय अधिकारी व गणमान्य नागरिक एवं पशुपालक मौजूद रहे।

कपड़े की दुकान में आग लगाने वाला गिरफ्तार



गिरफ्तार आरोपी

थानाधिकारी दूद मुकेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया।

गठित टीम द्वारा आगजनी की घटना को अंजाम देने वाले आरोपी की पहचान कर सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी सरदार पुत्र पुरणमल निवासी धांधोली हाल निवासी मालपुरा रोड कस्बा दूद का रहने वाला है। पुरालाह में सामने आया कि इस घटना में लिप्त अन्य आरोपी आरोपी सतवीर उर्फ सत्या गुर्जर निवासी छाप्या की तलाश जारी है। पुलिस आरोपी से इस बात का पता लगाने में जुटी है कि आखिरकार उसने दुकान में आग किस कारण से लगाई, क्या कोई रंशिश थी अथवा अन्य और कोई कारण खुलासा होने के बाद हकीकत का पता चल सकेगा।

जोधपुर में चयनित पांच वार्डों में स्वच्छता के कार्य जारी

उदयपुर, (कासं)। मारवाड अंचल के नगर निगम जोधपुर द्वारा के.के. गुप्ता को जोधपुर शहर में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण से संबंधित समुचित मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु आमंत्रित किया था। इसके पश्चात से गुप्ता द्वारा वृद्ध स्तर पर बैठक में लेते हुए स्वच्छ भारत मिशन के प्रत्येक मापदंड को जोधपुर शहर में लागू करने को निर्देशित किया गया।

जोधपुर नगर निगम आयुक्त द्वारा आदेशों की पालना में जोधपुर नगर निगम के पायलट प्रोजेक्ट के रूप में प्रारंभिक चरण में चयनित पांच वार्ड संख्या 36, 8, 54, 99 और 82 में स्वच्छता अपनाने की दिशा में कार्य करते हुए जगह-जगह फैल रही गंदगी को हटाने, सड़क से अतिक्रमण मुक्ति, नाली और नालों की साफ सफाई, सामुदायिक शौचालय और मूत्रालय को दिन में तीन

बार सफाई, सभी पांच वार्ड के प्रत्येक घर से नियमित रूप से कचरा संग्रहण करने आदि कार्य जारी है। जोधपुर शहर की बिगड़ती सफाई व्यवस्था और कचरा प्रबंधन को लेकर राजस्थान हाईकोर्ट का प्रखंड रख जारी है। इसी से जुड़े मामले में राज्य सरकार और नगर निगम ने कोर्ट को बताया है कि वे शहर को साफ रखने के लिए ड्रॉगरपुर मॉडल के सूत्रधार के.के. गुप्ता की मदद ले रहे हैं। जस्टिस विनीत कुमार माथुर और जस्टिस चंद्रशेखर शर्मा की खंडपीठ ने गुरुवार को इस मामले पर सुनवाई की। सरकार की ओर से कोर्ट को आश्स्त किया है कि शहर से गंदगी और मलबा हटाने के लिए एक ठोस योजना तैयार की जा रही है। कोर्ट ने सरकार के आग्रह पर प्रगति रिपोर्ट पेश करने के लिए समय देते हुए अगली सुनवाई 3 फरवरी को तय की है।

बीकानेर–श्रीगंगानगर सेक्टर के सामने पाक आतंकियों ने तैयार किए दो कैम्प

बीकानेर, (निर्स)। अंतर्राष्ट्रीय बॉर्डर के पास बीकानेर और श्रीगंगानगर सेक्टर के सामने पाकिस्तानी आतंकियों ने फिर से दो कैम्प तैयार कर लिए हैं। इस खुलासे के बाद खुफिया एजेंसियां हाई अलर्ट मोड पर हैं। गणतंत्र दिवस को देखते हुए बीकानेर सहित देशभर में अलर्ट जारी किया गया है। ऑपरेशन सिंदूर में करारी निषाक्त के बाद भी पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रही है। अंतर्राष्ट्रीय बॉर्डर पार पाकिस्तान में आतंकियों के दो कैम्प फिर से शुरू हो गए हैं। यह कैम्प बीकानेर और श्रीगंगानगर सेक्टर के सामने बहावलपुर और फोट अब्बास के बीच बताए जा रहे हैं। इस खुलासे के बाद देश की सभी खुफिया एजेंसियां सक्रिय हो गई हैं। भारत-पाक बॉर्डर पर निगरानी बढ़ा दी गई है।

जानकारों के अनुसार भारतीय सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने हाल ही में खुलासा किया है कि आठ आतंकी कैम्प अब भी पाक मौजूद हैं, जिनमें से दो कैम्प राजस्थान के बीकानेर और श्रीगंगानगर सेक्टर के सामने इंटरनेशनल बॉर्डर के पास दोबारा तैयार किए गए हैं। आर्मी चीफ ने साफ कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पूरी ताकत के साथ जारी है और पाकिस्तान की ओर से किसी भी तरह की हरकत का जवाब ‘तबाही’ के रूप में दिया जाएगा।

- खुलासे के बाद खुफिया एजेंसियां हाई अलर्ट मोड पर, गणतंत्र दिवस को देखते हुए बीकानेर सहित देशभर में अलर्ट जारी**
- “ऑपरेशन सिंदूर” पूरी ताकत के साथ जारी है और पाकिस्तान की ओर से किसी भी तरह की हरकत का जवाब ‘तबाही’ के रूप में दिया जाएगा : भारतीय सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी**

गणतंत्र दिवस से पहले देश की खुफिया एजेंसियों ने एक गंभीर सुरक्षा अलर्ट जारी किया है, जिसमें चेतावनी दी गई है कि खालिस्तानी आतंकी संगठन और बांग्लादेश स्थित आतंकवादी गुट दिल्ली समेत देश के कई प्रमुख शहरों को निशाना बनाने की कोशिश कर सकते हैं। ये संगठन भारत की आंतरिक सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने, दहशत फैलाने और राष्ट्रीय पर्व के दौरान किसी बड़ी साजिश को अंजाम देने की फिराक में हैं। इस अलर्ट के बाद केंद्र और राज्य सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है और कई स्तरों पर सुरक्षा इंजाजम कड़े कर दिए गए हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि पंजाब के गैंगस्टर अब खालिस्तानी और कट्टरपंथी संगठनों के लिए ‘फुट सोलजर’ की भूमिका निभा रहे हैं। खुफिया रिपोर्ट के अनुसार, ये अपराधी गिरोह जबरन वसूली,

हथियारों की तस्करी, हत्या और ड्रग्स जैसे अपराधों में पहले से सक्रिय हैं। इनका इस्तेमाल आतंकी संगठन अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने, डर फैलाने और साजिशों को अंजाम देने के लिए कर रहे हैं। इससे संगठित अपराध और आतंकवाद के बीच खतरनाक गठजोड़ बनता जा रहा है। खुफिया अलर्ट में बताया गया है कि ये गैंगस्टर नेटवर्क अब केवल पंजाब तक सीमित नहीं हैं। ये हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में भी सक्रिय हैं और धीरे-धीरे खालिस्तानी आतंकी तत्वों से अपने संबंध मजबूत कर रहे हैं। इन राज्यों में ये गिरोह हथियारों की तस्करी, रंगदारी, सुपारी किलिंग और नशे के कारोबार में शामिल हैं। आशंका है कि इन अवैध गतिविधियों से मिलने वाला पैसा आतंकी साजिशों में इस्तेमाल किया जा सकता है।